अमर उजाला

शुक्रवार, 15 जून, 2012

अब मोबाइल पर चेक करें भूमि का रिकार्ड

अमर उजाला ब्यूरो

अंबाला। किसानों को भूमि के वर्ष 1957 से लेकर आज तक के रिकार्ड के लिए पटवारी के पास जाने की आवश्यकता नहीं है बल्कि वह घर बैठे ही अपनी भूमि के रिकार्ड की कॉपी डाउनलोड कर सकते हैं। दरअसल राष्ट्रीय भू-रिकार्ड आधुनिकीकरण कार्यक्रम के तहत अंबाला का गांव कुर्बानपुर ऐसा पहला गांव बना है, जिसमें सभी किसानों का भूमि रिकार्ड सेटेलाइट पर उपलब्ध करवाया गया है। यानी मोबाइल के जरिये इस रिकार्ड को चेक किया जा सकता है।

देश में इस कार्यक्रम की शुरुआत सबसे पहले पायलट प्रोजेक्ट के तहत अंबाला के गांव कुर्बानपुर से शुरू की गई है। वर्तमान में प्रदेश के 6 जिलों के 6 गांवों का रिकार्ड इंटरनेट पर डाला गया है। यह कार्यक्रम केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय के सहयोग से आरंभ किया गया है। अभी तक हलरिस के माध्यम से भूमि का रिकार्ड कंप्यूटराइज्ड किया गया था। इस योजना से भूमि रिकार्ड का प्रबंधन प्रशासन और भू मालिक के लिए बहुत ही सुविधाजनक रहेगा। इस प्रोजेक्ट की शुरुआत पर सभी किसानों को उनकी भूमि का कंप्यूटरीकृत रिकार्ड उपलब्ध करवाने के साथ-साथ नक्शे भी उपलब्ध करवा दिए गए हैं। इनमें खसरा नंबर, खेत नंबर सहित सभी राजस्व जानकारियां अंकित करने के साथ-साथ पड़ोसी भू मालिकों के नाम भी अंकित किए गए हैं।

कुर्बानपुर में जलसा-ए-आम के दौरान ग्रामीण की बात सुनते डीसी।

तकनीक का फायदा हरियाणा स्पेस एप्लीकेशन सेंटर हिसार के वरिष्ठ वैज्ञानिक रमेश हुड्डा ने बताया कि भूमि की हदबंदी ग्राउंड कंट्रोल प्वाइंट से की गई है। इन्हें ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम के साथ जोड़ा गया है। राष्ट्रीय भू-रिकार्ड आधुनिकरण कार्यक्रम के माध्यम से किसानों को उपलब्ध करवाए गये रिकार्ड को भूमि की कीमत आंकने, खेतों के सीमांत हेल्थ कार्ड तैयार करने, किसानों को स्मार्ट कार्ड तैयार करने और ई-बैंकिंग, फसल बीमा, कृषि आधारित अनुदान इत्यादि कार्यों के लिए इस्तेमाल किये जा सकते हैं।

'राष्ट्रीय भू-रिकार्ड आधुनिकीकरण कार्यक्रम के तहत गांव कुर्बानपुर से प्रोजेक्ट की शुरुआत की है। इसके तहत मोबाइल के जरिये कहीं पर भी इस रिकार्ड को चेक किया जा सकता है। यह तकनीकी आने वाले समय में काफी फायदेमंद साबित होगी।'

– शेखर विद्यार्थी, डीसी अंबाला

6 | दैनिक जागरण पानीपत, 15 जून 2012

कुर्बानपुर का भूमि रिकॉर्ड सेटेलाइट पर

उपलब्धि

- रजिस्ट्री होने के साथ ही खुद दर्ज हो जाएगा इंतकाल
- देश का पहला गांव बनने का गौरव किया हासिल

जागरण संवाद केंद्र, अंबाला शहर : अंबाला जिले का कुर्बानपुर गांव देश का पहला ऐसा गांव बन गया है, जिसके सभी किसानों की भूमि का रिकॉर्ड सेटेलाइट पर उपलब्ध करा दिया गया है।

बृहस्पतिवार को जिला प्रशासन ने गांव में जलसा-ए-आम कार्यक्रम आयोजित कर सभी किसानों को भूमि का कंप्यूटरीकृत रिकॉर्ड उपलब्ध कराने के साथ-साथ नक्शे भी उपलब्ध करा दिए। इनमें खसरा नंबर, खेत नंबर सहित सभी राजस्व जानकारी अंकित करने के साथ-साथ पड़ोसी भू मालिकों के नाम भी अंकित किए गए हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता उपायुक्त शेखर विद्यार्थी ने की। नई तकनीक में भूमि की रजिस्टरी होते ही सेटेलाइट के माध्यम से नए मालिक के नाम इंतकाल इत्यादि स्वयं परिवर्तित हो जाएंगे। वेबसाइट को इंटरनेट के माध्यम से कंप्यूटर और मोबाइल पर किसी भी समय कहीं भी चेक किया जा सकता है। किसानों को भूमि के वर्ष 1957 से लेकर आज तक के रिकॉर्ड के लिए पटवारी के पास जाने की आवश्यकता नही है बल्कि वह घर बैठे ही अपनी भूमि के रिकॉर्ड की कॉपी डाउनलोड कर सकते है। पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर प्रदेश के छह जिलों के छह गांवों का रिकॉर्ड इंटरनेट पर डाला गया है। देश में इस कार्यक्रम की शुरुआत अंबाला के कुर्बानपुर से की गई है। एसडीएम मुकेश आहूजा ने बताया कि वर्ष 1957 में भूमि की हदबंदी के लिए पत्थर की सिलें लगाई गई थीं, जिन्हें कोई भी इधर-उधर परिवर्तित कर सकता है। नए कार्यक्रम में चिन्हित किए गए बिंदुओं पर कोई छेड़छाड़ भी करता है तो भी इंटरनेट से सही मार्क आसानी से तलाशा जा सकता है। हरियाणा स्पेस एप्लीकेशन सेंटर हिसार के वरिष्ठ वैज्ञानिक रमेश हुड्डा ने कहा कि यह रिकॉर्ड भूमि के प्रयोग, पौधरोपण, जल सहित भूमि से जुड़े अन्य आंकड़ों के आकलन के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। किसानों ने इस योजना का स्वागत करते हुए सुझाव भी दिए।

जलसा-ए-आम कार्यक्रम में किसानों से बातचीत करते उपायुक्त शेखर विद्यार्थी। जागरण

किसानों को भूमि रिकॉर्ड सैटेलाइट से मिलेगा

अम्बाला, 14 जून (हप्र)। जिला अम्बाला का गांव कुर्बानपुर ने राष्ट्रीय भू-रिकार्ड आधुनिकीकरण कार्यक्रम के तहत देश का पहला ऐसा गांव बनने का गौरव हासिल किया है, जिसमें सभी किसानों की भूमि का रिकार्ड सैटेलाईट पर उपलब्ध करवा दिया गया है।

आज जिला प्रशासन द्वारा इस गांव में जलसा-ए-आम कार्यक्रम आयोजित करके सभी किसानों को उनकी भूमि का कम्पयूटरीकृत रिकार्ड उपलब्ध करवाने के साथ-साथ नक्शे भी उपलब्ध करवा दिए गए, जिनमें खसरा नम्बर, खेत नम्बर सहित सभी राजस्व जानकारियां अंकित करने के साथ-साथ पडौसी भू मालिकों के नाम भी अंकित किए गए हैं।

जलसा-ए-आम कार्यक्रम की अध्यक्षता उपायुक्त शेखर विद्यार्थी ने की और उन्होंने राष्ट्रीय भू-रिकार्ड आधुनिकीकरण कार्यक्रम की बेहतरी के लिए किसानों के सुझाव भी आमंत्रित किए। एनआईसी केन्द्र अम्बाला के विशेषज्ञों द्वारा गांव के किसानों को प्रोजैक्टर पर उनकी भूमि का पूरा रिकार्ड दिखाया गया और किसानों के संदेहों व प्रश्नों का मौके पर निदान भी किया। उन्होंने बताया कि यह नई तकनीक हरियाणा स्पेश एप्लीकेशन सेंटर हिसार और एनआईसी हरियाणा के संयुक्त प्रयासों से तैयार की गई है।

नई तकनीक में भूमि की रजिस्टरी होते ही सैटेलाईट के माध्यम से नए मालिक के नाम इंतकाल इत्यादि स्वंय परिवर्तित हो जाएंगे और कार्यक्रम की वैबसाईट को इंटरनेट के माध्यम से कम्पयूटर तथा मोबाईल पर किसी भी समय कहीं भी चैक किया जा सकता है।

अंबाला के गांव कुर्बानपुर का भूमि रिकार्ड सेटेलाइट पर

कुर्बानपुर देश का ऐसा पहला गांव बना

आज समाज नेटवर्क

चंडीगढ़। हरियाणा के अम्बाला जिले के कुर्बानपुर गांव को देश का पहला ऐसा गांव बनने का गौरव हासिल हुआ है, जहां पर भूमि का रिकार्ड सैटेलाईट पर उपलब्ध करवा गया है।

प्रवक्ता ने बताया कि राष्ट्रीय भू-रिकार्ड आधुनिकीकरण कार्यक्रम के किसानों को उनकी भूमि का कम्प्यूटरीकृत रिकार्ड उपलब्ध करवाने के साथ-साथ नक्शे भी उपलब्ध करवा दिए गए, जिनमें खसरा नम्बर, खेत नम्बर सहित सभी राजस्व जानकारियां अंकित करने के साथ-साथ पडौसी भू मालिकों के नाम भी अंकित किए गए हैं। उन्होंने बताया कि गांव में आयोजित जलसा-ए-आम कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला उपायुक्त शेखर विद्यार्थी ने की और उन्होंने राष्ट्रीय भू-रिकार्ड आधुनिकीकरण कार्यक्रम की बेहतरी के लिए किसानों के सुझाव भी आमंत्रित किए।

हिसार अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र व एनआईसी का संयुक्त प्रयास

कार्यक्रम में राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र के विशेषज्ञों द्वारा गांव के किसानों को प्रोजेक्टर पर उनकी भूमि का पूरा रिकार्ड दिखाया गया और किसानों के संदेहों व प्रश्नों का मौके पर निपटारा भी किया। उन्होंने बताया कि यह नई तकनीक हरियाणा अंतरिक्ष अनुप्रयोग केन्द्र, हिसार और एनआईसी हरियाणा के संयुक्त प्रयासों से तैयार की गई है। नई तकनीक में भूमि की रजिस्टरी होते ही सैटेलाईट के माध्यम से नए मालिक के नाम इंतकाल इत्यादि स्वंय परिवर्तित हो जाएंगे और कार्यक्रम की वैबसाईट को इंटरनेट के माध्यम से कम्प्यूटर तथा मोबाईल पर किसी भी समय कहीं भी चैक किया जा सकता है। किसानों को भूमि के वर्ष 1957 से लेकर आज तक के रिकार्ड के लिए पटवारी के पास जाने की आवश्यकता नही है बल्कि वह घर बैठे ही अपनी भूमि के रिकार्ड की कॉपी डाउनलोड कर सकता है। यह कार्यक्रम केन्द्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय के सहयोग से आरम्भ किया गया है और पायलट प्रोजैक्ट के तौर पर प्रदेश के 6 जिलों के 6 गांवों का रिकार्ड इंटरनेट पर डाला गया है। देश में इस कार्यक्रम की शुरूआत जिला अम्बाला के गांव कुर्बानपुर से की गई है। हरियाणा अंतरिक्ष अनुप्रयोग केन्द्र हिसार के वरिष्ठ वैज्ञानिक रमेश हुड्डा ने कार्यक्रम में भूमि की हदबंदी ग्राउंड कन्ट्रोल पोंयट से की गई है और इन्हे ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम के साथ जोड़ा गया है। उन्होने कहा कि पायलट प्रोजैक्ट के तौर पर गांव कुर्बानपुर सहित प्रदेश के 6 गांवों में इस तरह का रिकार्ड सफलतापूर्वक किसानों को उपलब्ध करवाने के बाद इस वर्ष के अंत तक पूरे प्रदेश में यह कार्यक्रम लागू किया जायेगा।

केन्द्र सरकार ने यह कार्यक्रम हरियाणा प्रदेश से ही आरम्भ किया है और पूरे प्रदेश मे सफलतापूर्वक इस कार्यक्रम के लागू होने के उपरांत हरियाणा देश का ऐसा पहला राज्य बनने का गौरव हासिल करेगा जिसमें राष्ट्रीय भू-रिकार्ड आधुनिकरण कार्यक्रम की सुविधा उपलब्ध होगी। उन्होने कहा कि यह रिकार्ड भूमि के प्रयोग, पौधारोपण, जल सहित भूमि से जुडे अन्य आंकड़ों के आकलन के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि बाढ, ओलावृष्टि व अन्य प्राकृतिक आपदाओं से फसल के नुक्सान के सही आंकड़े इस नये कार्यक्रम से सुविधाजनक तरीके से और स्टीक जानकारी पर आधारित तैयार किये जा सकते हैं। हरियाणा स्पेस एप्लीकेशन सैंटर हिसार के वैज्ञानिक डा0 सुल्तान सिंह ने बताया कि राष्ट्रीय भू-रिकार्ड आधुनिकरण कार्यक्रम के माध्यम से किसानों को उपलब्ध करवाये गये रिकार्ड को भूमि की कीमत आंकने, खेतों के सोयल हैल्थ कार्ड तैयार करने, किसानों को स्मार्ट कार्ड तैयार करने तथा ई-बैंकिग, फसल बीमा, कृषि आधारित अनुदान इत्यादि कार्यों के लिए इस्तेमाल किये जा सकते हैं।

उन्होंने इस अवसर पर लगाई गई प्रदर्शनी के माध्यम से नई तकनीक को विकसित करने के लिए अपनाए गए वैज्ञानिक तरीकों की जानकारी दी और किसानों को नई तकनीक के इस्तेमाल के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। जलसा-ए-आम कार्यक्रम में गांव के किसानों ने नई तकनीक का स्वागत किया और अधिकारियों से मांग की कि वे खेतों में लगाए गए रास्तों को नए आंकड़ों के आधार पर कब्जामुक्त करवाने, भूमि की खरीद-फरोख्त में अन्य गांवों के पटवारियों की गवाही बंद करने, जमाबंदी में भूमि मालिक की फोटो अंकित करने सहित कार्यक्रम के सुधारीकरण के लिए अन्य महत्वपूर्ण सुझाव दिये।

जलसा -ए- आम कार्यक्रम आयोजित

भूमि का तमाम रिकार्ड होगा कंप्यूटराइज्ड

अंबाला (पंवार) : जिला अंबाला का गांव कुर्बानपुर ने राष्ट्रीय भू-रिकार्ड आधुनिकीकरण कार्यक्रम के तहत देश का पहला ऐसा गांव बनने का गौरव हासिल किया है, जिसमें सभी किसानों की भूमि का रिकार्ड सैटेलाईट पर उपलब्ध करवा दिया गया है। आज जिला प्रशासन द्वारा इस गांव में जलसा-ए-आम कार्यक्रम आयोजित करके सभी किसानों को उनकी भूमि का कम्प्यूटरीकृत रिकार्ड उपलब्ध करवाने के साथ-साथ नक्शे भी उपलब्ध करवा दिए गए, जिनमें खसरा नम्बर, खेत नम्बर सहित सभी राजस्व जानकारियां अंकित करने के साथ-साथ पडौसी भू मालिकों के नाम भी अंकित किए गए हैं। जलसा-ए-आम कार्यक्रम की अध्यक्षता उपायुक्त एवं जिला कलेक्टर शेखर विद्यार्थी ने की और उन्होंने राष्ट्रीय भू-रिकार्ड आधुनिकीकरण कार्यक्रम की बेहतरी के लिए किसानों के सुझाव भी आमंत्रित किए। एनआईसी केन्द्र अम्बाला के विशेषज्ञों द्वारा गांव के किसानों को प्रोजैक्टर पर उनकी भूमि का पूरा रिकार्ड दिखाया गया और किसानों के संदेहों व प्रश्नों का मौके पर निदान भी किया। उन्होंने बताया कि यह नई तकनीक हरियाणा स्पेस एप्लीकेशन सेंटर ,हिसार और एनआईसी हरियाणा के संयुक्त प्रयासों से तैयार की गई है। नई तकनीक में भूमि की रजिस्ट्री होते ही सैटेलाईट के माध्यम से नए मालिक के नाम इंतकाल इत्यादि स्वंय परिवर्तित हो जाएंगे और कार्यक्रम की वैबसाईट को इंटरनेट के माध्यम से क ंप्यूटर तथा मोबाईल पर किसी भी समय कहीं भी चैक किया जा सकता है। किसानों को भूमि के वर्ष 1957 से लेकर आज तक के रिकार्ड के लिए पटवारी के पास जाने की आवश्यकता नही है बल्कि वह घर बैठे ही अपनी भूमि के रिकार्ड की कॉपी डाउनलोड कर सकता है। यह कार्यक्रम केन्द्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय के सहयोग से आरम्भ किया गया है और पायलट प्रोजैक्ट के तौर पर प्रदेश के 6 जिलों के 6 गांवों का रिकार्ड इंटरनेट पर डाला गया है। देश में इस कार्यक्रम की शुरूआत जिला अ ंबाला के गांव कुर्बानपुर से की गई है। एसडीएम मुकेश आहूजा ने इस अवसर पर बताया कि अभी तक हलरिस के माध्यम से भूमि का रिकार्ड क ंप्यूटराईज्ड किया गया था और वर्तमान कार्यक्रम त्रुटि रहित एक ऐसा कार्यक्रम है, जिसमें भूमि रिकार्ड का प्रबन्धन प्रशासन व भू मालिक के लिए बहुत ही सुविधाजनक रहेगा। उन्होंने कहा कि वर्ष 1957 में भूमि की हदबंदी के लिए पत्थर की सिलें लगाई गई थी, जिन्हें कोई भी इधर-उधर परिवर्तित कर सकता है लेकिन नए कार्यक्रम में चिन्हित किए गए बिन्दुओं पर यदि कोई छेड़छाड़ भी करता है, फिर भी इंटरनेट से सही मार्केशन आसानी से तलाशी जा सकती है। हरियाणा स्पेस एप्लीकेशन सैंटर हिसार के वरिष्ठ वैज्ञानिक रमेश हुड्डा ने कार्यक्रम में भूमि की हदबंदी ग्राउंड कन्ट्रोल पोंयट से की गई है और इन्हे ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम के साथ जोड़ा गया है। उन्होने कहा कि पायलट प्रोजैक्ट के तौर पर गांव कुर्बानपुर सहित प्रदेश के 6 गांवों में इस तरह का रिकार्ड सफलतापूर्वक किसानों को उपलब्ध करवाने के बाद इस वर्ष के अंत तक पूरे प्रदेश में यह कार्यक्रम लागू किया जायेगा।

गांव कुर्बानपुर में राष्ट्रीय भू -रिकॉर्ड आधुनिकीकरण कार्यक्रम के तहत आयोजित जलसा -ए-आम कार्यक्रम में भूमि मालिकों के सुझाव सुनते हुए उपायुक्त शेखर विद्यार्थी। (बाबू राम पंवार)

कुर्बानपुर की उपलब्धि... सैटेलाइट पर भूमि रिकॉर्ड

गांव कुर्बानपुर में राष्ट्रीय भू-रिकार्ड आधुनिकीकरण कार्यक्रम के तहत किसानों को नई तकनीक की जानकारी देते एनआईसी अधिकारी।

अंबाला। जिले के गांव कुर्बानपुर ने राष्ट्रीय भू- रिकॉर्ड आधुनिकी करण कार्यक्रम के तहत देश का पहला ऐसा गांव बनने का गौरव हासिल किया है, जिसमें सभी किसानों की भूमि का रिकॉर्ड सैटेलाइट पर उपलब्ध कराया गया है। अब घर बैठे वेबसाइट के जरिए भूमि के सारे रिकॉर्ड देख और डाउनलोड कर सकते हैं। जिला प्रशासन ने गुरुवार को इस गांव में जलसा-ए-आम कार्यक्रम आयोजित कर सभी किसानों को उनकी भूमि का कंप्यूटरीकृत रिकॉर्ड उपलब्ध कराने के साथ-साथ नक्शे भी उपलब्ध कराए। इनमें खसरा नंबर, खेत नंबर सहित सभी राजस्व जानकारियां अंकित करने के साथ-साथ पड़ोसी भू-मालिकों के नाम भी अंकित किए गए हैं।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए डीसी शेखर विद्यार्थी ने राष्ट्रीय भू-रिकॉर्ड आधुनिकीकरण कार्यक्रम की बेहतरी के लिए किसानों के सुझाव भी आमंत्रित किए। एनआईसी केंद्र अंबाला के विशेषज्ञों ने किसानों को प्रोजेक्टर पर उनकी भूमि का पूरा रिकॉर्ड दिखाया। उन्होंने बताया कि यह नई तकनीक हरियाणा स्पेस एप्लीकेशन सेंटर हिसार और एनआईसी हरियाणा के संयुक्त प्रयासों स सिलें लगाई गई थीं, जिन्हें कोई भी इधर-उधर परिवर्तित कर सकता है, लेकिन नए कार्यक्रम में चिह्नित किए गए बिन्दुओं पर यदि कोई छेड़छाड़ भी करता है, तो इंटरनेट से सही मार्केशन की आसानी से पता चल जाएगा। हरियाणा स्पेस एप्लीकेशन सेंटर हिसार के वरिष्ठ वैज्ञानिक रमेश हुड्डा ने कार्यक्रम में भूमि की हदबंदी ग्राउंड कंट्रोल प्वाइंट से की, जिसे ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम के साथ जोड़ा गया है। अंत तक पूरे प्रदेश में यह कार्यक्रम लागू किया जाएगा। इस दौरान, ओपी शर्मा, प्रेम चंद गांगल, तहसीलदार राजीव शर्मा, सेवानिवृत्त तहसीलदार महावीर सिंह, जिला सूचना अधिकारी एसएस वालिया, डीआईपीआरओ केवल बिन्द्रा, एनआईसी के सैनी, सरपंच गुरदेव सिंह आदि उपस्थित थे।